



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 117]
No. 117]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 2, 1987/ज्येष्ठ 12, 1909
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 2, 1987/JYAISTHA 12, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

परिशिष्ट-1

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 183 आई टी सी (पी एन)/85—88

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

विषय :- विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित
दूर-संचार परियोजना (9) के लिए 11,884 मिलियन येन के येन
क्रेडिट के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में
लाइसेंसिंग प्रणाली।

फाइल सं. आई पी सी/23(30)/85—88—जापान की विदेशी
आर्थिक सहायता निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा दूरसंचार परियोजना (9)
के लिए विस्तारित 11,884 मिलियन के येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों
पर शासित शर्तें जो इन सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं
जानकारी के लिए अधिभूचित की जा रही हैं।

ह/-

राजीव लोखन मिश्र
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

एस. पी. धूपर, उप मुख्य
नियंत्रक, आयात-निर्यात

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान
किए गए दूर संचार परियोजना (9) के लिए येन 11,884 मिलियन
के येन क्रेडिट के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में
लाइसेंस शर्तें।

खण्ड 1 सामान्य शर्तें :-

1(1) दूर संचार विभाग की दूर संचार परियोजना की आयात
आवश्यकताओं को विलंबित करने के लिए जापान की विदेशी
आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान किया गया 11,884
मिलियन येन का ऋण जापान और विकासशील देशों के लिए खुला है।
तकनुमार इस क्रेडिट के अंतर्गत अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं
जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा
सकती हैं। ये देश इस ऋण के अंतर्गत पात्र 50 न देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अंतर्गत केवल उन्नी महीने और उसी मूल्य के लिए
लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी
विकास/योजना माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो।
इस क्रेडिट के अंतर्गत जारी किए गए आयात लाइसेंस (सी) येन का मूल्य
13,100 मिलियन (त्रायस-सीमा-साइ) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का दायरे में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा
अधिभूचित विनियम वर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को

प्रबलित दर और मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सीमा-शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आई डी पी-39 होगा"। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कोड होगा। दूर संचार विभाग को आयात लाइसेंस सेजते समय मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे बुझाया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) में पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) लागत बीमा भाड़ा के आधार पर केवल दूरसंचार विभाग के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) दूर संचार विभाग की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य येन 13 100 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि दूर संचार विभाग द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और भागों की अवधि के लिए दी जा सकती है। भागों और वृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारों द्वारा विधिवत् गत्यापित चलन माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होने और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को अज्ञात पर निशुल्क के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। भाड़ा बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्रय संबंधित हों। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग डब्ल्यू ई-1 अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा-1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से अज्ञात दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8

महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरवधारक रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), मार्च ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साख-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र मुख्य रूप से जमा कराने प्रादि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतनदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में तब तक आधार पर अर्थात् पोतनदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए :—

"साख-पत्र की प्राप्ति के बाद—महीने परन्तु अधिक से अधिक—के अन्त तक पूर्ण किया जाता है।"

पोतनदान के लिए अग्रिमों तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखा जाए कि यह तिथि 30-6-1991 के बाद की न हो।

खंड-2 संभरण ठेके का सम्झौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें—

2(1) ठेके का अज्ञात पर्यन्त नि शुल्क मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाया जाएगा।

भारतीय रुपये का किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। त्रय आदेश और संभरण द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और खोन ऋण के अन्तर्गत अधिप्राप्ति के लिए मांगी दस्तावेजों के अनुसार निम्नलिखित गम्भीर शर्तों के साथ किए जाएंगे—

(क) कम से कम 300 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं/खोनों की अधिप्राप्ति के मामले में—

(1) यदि पूर्वप्रवृत्ति सहित औपचारिक खोली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से निम्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाते का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए मांगी गई ती एक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करते उन्ने पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) मकन बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र भी ई सी एक को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अर्जनों की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्राप्ति, प्रभावित ठेका विनिष्ठाकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज भी ई सी एक को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्माण के लिए भी ई सी एक के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की

कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस को फोटो कॉपी और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन" की एक प्रति के साथ सी.ए.ए.ए.ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान साख पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया का टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिये गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा सम्बन्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिये) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ.ई.सी.ए.ए. भारतीय दूतावास, टोकियो, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग विधि (ओ.ई.सी.ए.ए.) भारतीय दूतावास टोकियो में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.ए.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि सविधा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतप्रदान कारने के ब्राह्म विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहू करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधिसे प्राप्त करेगा।

ओ.ई.सी.ए.ए. ठेके के मूल्य का 2/10 प्रतिशत (0.1) प्रतिशत के दर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ.ई.सी.ए.ए. द्वारा स्वयं ऋण तिथियों में से बुकई जायेगी। ओ.ई.सी.ए.ए. या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को बचनबद्धता पत्र के खर्चों की तुल्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी, ओ.ई.सी.ए.ए. को भुगतान की तिथि से रुपये जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अन्तर्गत भी आयातक द्वारा 0.1 प्रतिशत इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाना है।

5(4) साखपत्र को खोलने, रख-रखाव और परिचालन पर किए गए सभी खर्च विदेशी संभरकों या आयातक के लेखों में जाएंगे और इसलिए ओ.ई.सी.ए.ए. से उनका भुगतान नहीं किया जाएगा।

संभरकों को भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा जहूअ पर्यन्त निःशुल्क माल की लागत की भुगतान की तिथि और ओ.ई.सी.ए.ए. प्रतिपूर्ति की तिथि के बीच के समय का ब्याज भारतीय बैंक उनके और भारत सरकार (वित्त मंत्रालय) के साथ 25-3-80 को हुए समझौते की शर्तों के अनुसार प्राप्त करेगा और उसकी प्रतिपूर्ति भारतीय दूतावास, टोकियो द्वारा की जाएगी। भारतीय दूतावास द्वारा ब्याज भुगतान पर किया गया खर्च ऋक एवं तार विभाग (देखें खण्ड-6) (4) से प्राप्त किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया ऋण समझौते की प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार दूरसंचार विभाग के प्राधिकृत बैंक को पराकाष्ठा जहाजराना दस्तावेज अप्रेषित करेगा और बैंक इस बात को सुनिश्चित करेगा कि दूरसंचार विभाग ने पोतप्रदान दस्तावेज रिहू होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तमिळुनाडु, त्रिचुर में जालान के ऊपर दाहिने ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए रुपया निक्षेप कर दिया है। विदेशी संभरकों को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी.एन)/74, दिनांक 31-5-1974 में निर्धारित विधि के अनुसार भारत सरकार के लेख में जमा किए जाने हैं।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए भवनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख का लागू विनिमय की यह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पी.एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आई टी सी (पी.एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम में या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस सम्बन्ध में और व्याज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधि-सूचित कर दिया जाएगा। सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि वे धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि वे धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से गुरस्त जमा कर दी है बने हुए अथवा वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत संभा शूल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को वे धनराशि के माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और नामने की रपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जायें। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिमाजिटम एण्ड ऐडवांसिज-843" मिजिल डिपॉजिटस फार परचेजिज ग्रंटसू अंडर क्रेडिटिंग लोन एर्रीमेंट्स [लोन फोन वि गवर्नमेंट आफ जापान 11.884 विनियम येन क्रेडिट सं. आई डी.पी.-39 फार दूरसंचार परियोजना (9)] होना चाहिए। लेकिन 31-5-1974 की उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना में दिए गए व्याज प्रभारों की गणना और निक्षेप संबंध व्यवस्थाएं लागू नहीं होंगी, क्योंकि केन्द्रीय सरकार के विभागों के आयातों के संबंध में व्याज प्रभार वसूल नहीं किए जाते हैं।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तमिळुनाडु, दिल्ली में जालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी.एन)/86, दिनांक 30-8-1968 सं. 233-आई टी सी ((पी.एन)/68 दिनांक, 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पी.एन)/71, दिनांक 5-10-71 सं. 74 आई टी सी (पी.एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी.एन)/76 दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बन्ध भारत में आयातक का बैंक को ऊपर निर्धारित तरीके से यह प्रतिरिक्त धनराशि सेवा

खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा भांगी जाए। चानान के विभिन्न काननों का मन्त्रेसमय प्रत्यावर्तकों उनके बैंकरो की इन बात का सुनिश्चित कर देना चाहिए कि मन्त्र-जनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (फा.एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना आदान के काला "खा पोरेशन" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यौर में निरववाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना चानान में विनिश्चित व्यौर निरववाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अन्याई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरण को भुगतान करने की तिथि।

उसके परवानों सी.ए.ए.ए.ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देने हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करने हुए खजाना चानान संपादना करने का साथ देने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.ए.ए.ए. को भेजा जाना चाहिए।

प्रियागी : भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की प्रशासकों की सूचना और अंतरराष्ट्रीय पोतलदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरववाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उनके नरवाना आद सी.ए.ए.ए.ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और असेजित 'एन' प्रारम्भ भारतीय रिजर्व बैंक सम्बद्ध को भेजना चाहिए।

भारतीय नूतनास, टोकियो द्वारा बैंक ग्राहक इंडिया टोकियो को दिए गए वार्ड प्रसार आदि के अनुसार येन भुक्तान के मुख्य रूपों को गणना का उपर्युक्त खण्ड-6 की कड़िका 6(i) में निर्धारित तरीके से की जाएगी और मुख्य व्यापारिकारी के नाम में जना करा दिया जाएगा। विशेष संवतः, नई दिल्ली, सी.ए.ए.ए.ए. ए. हम प्रयोजन के लिए उपर्युक्त परामर्श जारी करेगा।

खण्ड —7 विधि व्यवस्थाएँ

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्टें

आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में माख-पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग संपद भारी, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरणों को विशेष शर्तों के बारे में अविमूचित करना। लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरण को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरण पर प्रभाव डालते हैं।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरणों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरण द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में "भुगतान की शर्तों" के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निराकरण से संबंध व्यवस्थाएँ शामिल होनी चाहिए।

7(4) अविव्य भ्रनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी नामने या सभी भागलों से संबंधित या भागलों प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट सनसोने (परियोजना सहायता) स.आई.डी.पी.-39 के अर्धान नामों आभारों को विदेशी आर्थिक निधि, जापान (ओ.ई.सी.एफ.ओ.), के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा मन्त्र-जन्य पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अनिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिकरण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्धारित (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची

- 1 अनुबन्ध-1 पात्र छोट देशों की सूची
- 2 अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुमति
- 3 अनुबन्ध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
- 4 अनुबन्ध-4 माख-पत्र का प्रपत्र (वस्तुविक आयातों के लिए लागू)
- 5 अनुबन्ध-5 माख-पत्र का प्रपत्र (रक्षाओं के लिए लागू)

अनुबन्ध-1

पात्र छोट देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से सिद्ध विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा मोरोको

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा कैमेरून

मध्य गिनी (1)

कीनिया

मारितेनिया मारीशस

रवाण्डा

सोमालिया

तंजानिया गणतंत्र संघ

बोत्सवाना

कामोरी द्वीप समूह

गिनी

मालावी

रियूनियन

सेचिलिज

टोगो

बुरुण्डि

कांगो, बाहो का गणतंत्र

आइवरी कोस्ट

माली

रोडेसिया

सिंगर सिमोन

यूगान्डा

मिश्र

(1) पहले स्पेन गिनी का प्रदेश, द्वीप सहित

तुनीशिया	4. दक्षिण: अमेरीका
अंगोला	चिली
नांद	पीम
घाना	कोलम्बिया
भालागासी गणतंत्र	सुरिनाम
पुतगाली गिनी	फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
सेनेगल	उरुग्वे
टेरी आफर्स और इस्तास	अर्जेन्टिना
जाम्बिया	फ्रांसिस्को
कैप वर्डी द्वीप समूह	बोलिविया
इथोपिया	गुयाना
सैसोथो	ब्राजील
मुजम्बिक	पराग्वे
सेंट हेलेना और डेप (2)	
सूडान	5. मध्य-पूर्वी एशिया
अपर बोल्टा	लेबनान
केन्द्रीय अफ्रीका गणतंत्र	बहरीन
जाम्बिया	यूनाइटेड अरब एमिरात (3)
लाइबेरिया	इजराइल
नाइजर	यमन अरब गणतंत्र
साओ टोन और प्रिन्सिप	सिरियाई अरब गणतंत्र
स्वाजीलैण्ड	घोमन
जाइरे गणतंत्र	जोर्डन
	यमन जनवादी का बी. आर. (4)
3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय	
बरमूडा	6. दक्षिण एशिया
ग्वाटेमाला	बर्मा
नीदर लेण्ड अन्टिलीज	बांग्ला देश
कोस्टारिका	पाकिस्तान
हेती	माल द्वीप
निकारागुआ	अफगानिस्तान
भूमि	नेपाल
हॉन्डुरस	भारत
पनामा	भूटान
ट्रिनिडाड और टोबागो	श्रीलंका
(क) सह-संघ राजत (1)	
(ख) आश्रित (2)	
बेहमम	7. सुदूर पूर्वी एशिया
ओमिनिकन गणतंत्र	कोरिया गणतंत्र
जमैका	ताइवान
बारबाडोस	हांग कांग
एल सालवाडोर	फिलिपाइन
माटिनिक	वियतनाम जनवादी गणतंत्र
वेलाइज	मकाओ
गुवाडेलोप	तिमोर
मैक्सिको	बरुनी
सेंट पियरो और मिकेलान	मलेशिया
सेंट वेंडीज शाखा एन. आई. ई.	वियतनाम गणतंत्र

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :-

असेन्शन, त्रिस्तन्डा इन एसीसिवल्स, माइटिनगेल, गफ

(3) मुख्य द्वीप समूह, अफगा, बोनाइरे, क्यूराकोयो, माठा, सेन्ट यूस्वानिट सेन्ट मार्टिन (दक्षिण भाग) ।

लाओस
 थाईलैंड
 खमेर गणराज्य
 सिंगापुर
 8 भोसिनिया
 फॉसिसी पोलिनेशिया (5)
 पापुवा न्यू गिनी
 फिजी
 नियू
 पश्चिमी सामोआ
 न्यू कैलेडोनिया
 कोक द्वीप समूह
 न्यू हेब्रिसिड (ब्रि, फ्रान्स)
 बालिस और फुतुना
 नाऊ
 सोलोमन द्वीप समूह (ब्रा), टोंगा
 गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
 पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य (6))

9. यूरोप
 माल्टा
 माइक्रोनेसिया
 यूगोस्लाविया
 जिब्राल्टर
 ग्रीस
 स्पेन
 तुर्की

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिगुआ, बोमिनाका, ब्रिटेन, सेन्ट किट्स (सेन्ट क्रिस्टोफो) नेविस-अंगुइला, सेन्ट लूसिया और सेन्ट विन्सेन्ट
- (2) ग्रेन आर्डीन्स, मोल्डोव, संभान तुर्की और काश्कोम और ब्रिटिश बरगिन द्वीप समूह।
- (3) अजमन, कुवैत, फजारा, रास अल खैमाह और उन अल खैमाह।
- (4) अदन और ब्रिजिज सत्तावन और कमीरात सहित।
- (5) सोमापटी आर्डी लैण्डम समूह (ताहिती सहित) को शामिल करने हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, दुआमोट, जाम्बियर ग्रुप और भाके सम द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मैरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)।

(क) 2-प्रो पी.ई.सी. के सदस्य या सहयोगी देश

अल्जीरिया
 बेलजियम
 आइसलैंड
 नाइजीरिया
 कतर
 लीबियाई अरब गणराज्य
 ईराक
 रोमानिया

कुवैत
 बोलिविया
 ईरान
 इन्डोनेशिया
 इक्वेडोर
 सऊदी अरब

अनुबन्ध—2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए
 प्रार्थना-पत्र

संख्या दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
 वित्त मंत्रालय,
 प्राथमिक कार्य विभाग
 यू. सी. प्रो. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
 पामियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय :—येन क्रेडिट सं. आई डीपी (परियोजना सहायता)
 1988 के अन्तर्गत जापान से का आयात।

महोदय,

अपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी
 (परियोजना सहायता) के अधीन से के
 आयात के सम्बन्ध में (बैंक का नाम) जो
 कि वही होना चाहिए जो नोबे (ड) में सम्बद्ध समुद्रपार संस्करण के नाम
 में साख-पत्र खोलने के लिए दिया गया है, कि प्राधिकार पत्र जारी करने के
 लिए हम आपको निम्नलिखित शर्तों प्रस्तुत करते हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मुख्य और वह तारीख
जिस तक वैध है।
- (ग) प्राप्ति के तरीके क्या वह सीधे क्रय या
औपचारिक खुले अन्तराष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके
सामने में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतिक
होना चाहिए कि क्या निविदा का निर्णय उपर्युक्त न्यूनतम तकनीकी
प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्देश्य देश।
- (च) यदि कोई हो तो पत्र से इनर ओन देशों से आयातित संघटकों
का प्रतिफल।
- (छ) निविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क लागत और भाड़ा मूल्य
(येन में)।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमिशन की धनराशि
(येन में)।
- (झ) वार्षिक जहाज पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा (येन में) जिसने
लिए प्राधिकार पत्र मंगाया गया है।
- (ञ) समुद्रपार के संस्करण के साथ की गई निविदा की संख्या एवं
दिनांक।

- (द) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता ।
- (ठ) वे भुगतान गतों और संभावित तिथियां जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे ।
- (ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाने हुए) ।
- (ण) पोतलवान अनुदेश (बाह्यनान्तरण/पोर्ट-शिपमेंट को अनुमति दी गई है या नहीं निदिष्ट कीजिए) ।
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई हैं और आपानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसे प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संबंध जिसके अन्तर्गत प्रो. ई. सी. एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है ।
- (व) क्या साख-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातकों या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं ।
- (घ) आयातक द्वारा बचनबद्धता :—

“हम एतद्द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और सही जमा करने का बचन देते हैं । प्रत्येक निक्षेप माल (आयातित सामग्रियों) की सुपुर्दगी सीपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी । विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, यो ही धनराशियां जमा करा दी जाए ।

अनुबन्ध—3

(प्राधिकार पत्र का प्रारूप)

सं. एक
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान) ।

विषय :—बैंक क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई डी पी के अधीन आयात साख पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्द्वारा यथा संलग्न व्यौर के अनुसार सर्वो के नाम में येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक, प्रो. ई. सी. एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए ।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपको निधि से किया जाएगा । भुगतान के साथ प्रो. ई. सी. एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेज कर दिए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए ।

4. विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलवान दस्तावेज (विनिमय), अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई अदायगी की भांति जमाने की सूचना, तत्काल अदायगी यदि कोई की गई हो, तो उसकी प्रति भेजी जाए ।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की निधि से प्रो. ई. सी. एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की निधि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग स्रोतों के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे । बैंकों के अन्य खर्च जिनमें साखपत्र खोलने, रख-रखाव करने और साखपत्रों को आपरेशन करने और लौटा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक की ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही आयातक या संभरकों से प्राप्त किया जाए । इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा प्रो. ई. सी. एफ. से नहीं किया जा सकता है ।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए ।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख पत्र खोलने के लिए है । साखपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के मद्दे भविष्य में साखपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना रद्द नहीं होंगे ।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा ।

9. कृपया हम करार के संबंध में सभी प्रकार के पत्र व्यवहार के लिए इस पत्र के अनुप्रेषण शीर्ष में दी गई संख्या का उल्लेख करें ।

भवदीय

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को भेजिए :—

1. आयातक को उनके पत्र सं. दिनांक के के संदर्भ में ।

उत्ते अनुप्रेष है कि वे बैंकों से विविध दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निश्चिन्त वर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा करने का प्रबंध करें । यदि अपवाद स्वरूप परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीने हो सीना-गुप्त और पत्र प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए । विदेशी राष्ट्रीकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान द्वारा अनुमोदित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाएं । निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्यवाई की जा सकती है ।

2. आयातक के बैंकर

2(1) यह आयात लाइसेंस संख्या दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अंतर्गत प्रत्यक्ष आयात लाइसेंस शर्तों के बारे में जारी किया गया। आयात/विदेशी भुगतान कबो समय उचित कार्रवाई के लिए लाइसेंसिंग जर्नी तथा सम्बन्धित सार्वजनिक सूचना/प्रादेश आदि को देखें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से यस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सं. 8-आईटीसी (पीएन)/78, दिनांक 17-1-78 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों की भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को योग्य शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का भेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

2(3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, लीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-68, 233-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 24-10-1968, 132 आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-1974 एवं सं. 103 आईटीसी (पीएन) 78 दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपये जमा कराना है वे "के डिपॉजिट एण्ड एडवांसिज-843-निविन डिपॉजिट्स—डिपॉजिट्स फार परचेजिज एटसेट्टा क्राडि अंडर परचेजिज क्रेडिट/लोन एपीमेंट्स" लोन फ्राम द गवर्नमेंट आफ जापान 11.884 बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई-डीपी-39 फार 1986-87 है।

2(4) जिन मामलों में मुख्य रूप से रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, लीस हजारी में सार्वजनिक सूचना संख्या 132 आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकब जमा किया जाता है, उनसे चालान की मूल रूप में एक प्रतिस्विपी बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रोषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :—

महायता मेधा तथा — या परीक्षा निर्वचक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, यू. पी. ओ. बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001।

2(5) जिन मामलों में मुख्य रूप से ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपये का पूरा ब्यौर इस विभाग को भेजना चाहिए।

2(6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और प्रो. ई. पी. एक. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी प्रकाशनी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो की देय व्याज प्रभार आपके द्वारा सामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ निर्गित किए जाएंगे।

2(7) संभरक को प्रत्यक्ष प्रकाशनी करने समय मूल दस्तावेज (या वाणिज्य बीजक, बैंक गारण्टी कार्य निष्पादन गारण्टी पोतलवान को सूची में विनिर्देशित दस्तावेज आदि) का विमोचन तब तक न किया जाय जब तक कि उपर्युक्त (2) तथा (3) पर कार्रवाई न कर ली जाए।

366 GI/87—2

2(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में बैंक की जिम्मेदारियों तथा कार्यों का उल्लेख भारतीय रिजर्व बैंक के अनेक निर्धारित ए. बी. परिपत्रों में किया गया है। इस संबंध में एकी प्रादेश संख्या 22 दिनांक 18-6-77 की ओर विशेष रूप से ध्यान दिलाया जाता है।

2(9) भविष्य में पत्र-प्रवाह के लिए इन पत्रादि की प्राप्ति स्वीकृति भेजें तथा संख्या आदि लिखें।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि (टोकियो स्पीडी विल्डिंग, 4-1 ओहाटा मेची-1-कोते, त्रियोटा कू टोकियो 100 जापान।

4. भारतीय दूतावास टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान प्रनुवाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)।

अनुबन्ध—4

प्रपत्र मोई सी एक-एल पी 1

अपरिवर्तनीय साक्ष-पत्र

(मान के लिए लागू)

दिनांक

मेधा में,

..... यह साक्षपत्र (शर्तों) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के जोष हुए ऋण करार सं. दिनांक के अनुसार जारी किया गया है।

महोदय,

इस आपकी सूचित करने है कि हमने आपके नाम में हमसे निकाले जाने वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए आपकी द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय साक्ष पत्र सं. खोल दिया है जो (अर्थात् येन) की कुल मात्रा से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक, समुद्री पोतलवान बिल जिनमें दिए गए प्रादेशों का पूरा सेट हो ब्लैक प्रिण्टिफाई एवं सिग्नेचर "फ्रेट एवं "नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

प्रमाणित पोतलवान (मान के लक्षण का संज्ञित विवरण) संविद सं. (यदि कोई हो) के संदर्भ में से आर्थिक पोतलवान स्वीकृत है। बाह्यंतरण स्वीकृत है। लदान बिना के बाव की तिथि का नहीं होना चाहिए। क्लॉप तक बातचीत के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी क्लॉप तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साक्ष-पत्र सं. दिनांक के अंतर्गत निकलवान गया और आयात संवर्ध सं. (संख्याएं) यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

इस पत्रद्वारा वचन देते हैं कि इस ऋण और इसकी शर्तों के अंतर्गत जारी किए गए और इसकी शर्तों का अनुपालन करके जारी किए गए सभी क्लॉप प्रस्तुत करने पर और अर्द्धों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न उल्लेख किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन्) इंटरनेशनल बैंक आफ कामर्स बावर सं. 290" के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त ऋण समझौते के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बावजूद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ट्रास्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्टों और दस्तावेजों के एक पूरे सेट के साथ एक प्रमाणपत्र प्रेषित करना चाहिए कि शेष दस्तावेजों के सीधे ही हवाई डाक द्वारा.....को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च आयातकों/मसरोफों के लेखों के लिए हैं।

भवदीय

वाणिज्यिक बैंक
द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

अनुबन्ध—5

(प्रपत्र और ई सी एक-एल सी-2)

(अपरिवर्तनीय साख-पत्र)

(सेवाओं के लिये लागू)

दिनांक

सेवा में,

यह साख-पत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. दिनांक के अनुसार में (संभरक का नाम व पता) जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिये पूर्ण व्यौर मूल्य के लिये लाभकारी ड्राफ्ट एवं साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिये आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख-पत्र सं. खोल दिया है जो येन..... (येन.....) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

हमसे संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परियोजना के संबंध में डेका सं.) से संबंधित दस्तावेजों को मत्नी करना है सौदा तय करने के लिये ड्राफ्ट..... से पहले प्रस्तुत किये जाने चाहिये।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. के अंतर्गत ड्रान लिखा होना चाहिये।

यह क्रेडिट हस्ताक्षरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके भुनाये गये सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेक्षितों को दस्तावेजों की सुपरीची पर विधिपूर्व स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक ग्रन्थया रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाये, यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम्स एण्ड प्रैक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कॉमर्स बोर्डर नं. 290" के अधीन है। सौदा करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश।

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित

भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिये। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के तज्ज्ञ लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किये गये वचन-युक्त पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतानों के लिये प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बावजूद हम ड्राफ्टों की धनराशि का मूल तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार प्रेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और मसौदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जायेंगे।

4. इस साख-पत्र के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च आयातकों/मसरोफों के लेखों के लिये हैं।

भवदीय

वाणिज्यिक बैंक
द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साख-पत्र नं. का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज : लाभकारी का विवरण अंतिम भुगतान निधि :

2. भुगतान वृद्धि

सम्पूर्ण योग : धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत

निम्न प्रकार से भुगतान किया जाना है :—

येन धनराशि

अंतिम भुगतान तिथि

पहली किस्त, येन,

दूसरी किस्त येन

अपेक्षित दस्तावेज : (ऋणी अथवा उसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

अपेक्षित दस्तावेज :

दिनांक

प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि :

संख्या

3. पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

सेवा में,

धनराशि -----येन

संविदा के कुल मूल्य का-----

प्रतिशत है।

टिप्पणी—पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इसे संलग्न दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं है।

(संभरक का नाम और पता)

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

Public Notice No. 183—ITC (PN)|85-88

New Delhi, the 2nd June, 1987

Subject : Licensing conditions in respect of Import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 11.884 billion for Telecommunications Project (IX) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

F. No. IPC|23(30)|85-88.—The terms and conditions governing imports under the Yen Credit of Yen 11.884 billion for Telecommunications Project (IX) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

R. L. MISRA, Chief Controller
of Imports & Exports

S. P. DHUPAR, Dy. Chief Controller
of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice
No. 183—ITC(PN)|85-88 dt. 2-6-1987

Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen credit of Yen 11.884 billion for Telecommunications Project (IX) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan

Section I. General Conditions

I. (i) The Yen Credit of Yen 11.884 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Telecommunications Project of the Department of Telecommunications is untied in favour of Japan and developing countries. Accordingly the goods and services to be procured under this Credit can be imported from Japan and all countries enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में वर्णित जायेगा।
भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं.-----का अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि -----येन जो कि कुल
संविदा मूल्य के-----प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि :

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि -----येन

जोकि कुल संविदा मूल्य का-----
प्रतिशत है।

मैं, अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (नृण) एतद्वारा -----और-----
के बीच समझौता सं.-----दिनांक-----में निहित
भुगतान की शर्तों के अनुसार समुद्र पार आर्थिक सहायता निधि द्वारा-----
की धनराशि(-----येन केवल) प्राप्त करने के लिये एक
निष्पादन विवरण जारी करता हूँ।

(-----)

(अधो)

द्वारा -----

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

(ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 13.100 Billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974 issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 39". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence to be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section).

(iii) Import Licence(s) can be issued only in favour of Department of Telecommunications on CIF basis.

(iv) Depending on the convenience of Department of Telecommunications more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 13.100 Billion (CIF) as specified at I(ii) above.

(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by Department of Telecommunications be granted for a further period of 12 months. Request for further extension/issue of fresh import licence, if any, should be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

(vi) Imports to be financed under the credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

(vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore be charged to the licence.

(viii) Firm order must be placed on FOB basis on the overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Freight and Insurance charges will be payable in India in Indian rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian licensee on the overseas supplier duly signed by the latter of purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas suppliers. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having

been complied with unless complete contracts documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence, such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows:—

“... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of....”.

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-1991.

Section II : Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II. (i) The FOB value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which would be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order's confirmation should be in English only.

(ii) Procurement of all goods and sources to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations:—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen:—

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement

procedure other than the Formal Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract specification and drawing and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of construction the condition tender lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) Consultants shall be employed in accordance with Guidelines for employment of Consultants, under the loan. But prior approval of OECF shall be obtained for the following :—
 - (i) Terms of Reference
 - (ii) Short list of Consultants
 - (iii) Letter of Invitation
 - (iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet
 - (v) Draft Contract
- (d) The application documents mentioned in (a)(i), (a)(ii) and (c) above will be submitted by Department of Telecommunications to Department of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 39 for 1986-87 the details of which are given in section VI below.

II. (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II. (v) Eligibility of Supplier

Suppliers shall be nationals of the eligible source countries or juridical persons incorporated and registered in the eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II. (vi) Declaration in contract

The following declaration as to the eligibility of good and supplier signed and dated by the supplier, shall be attached to each contract :—

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of the eligible source country concerned).

"I, the undersigned, further certify that to the best my information and relief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{Imported CIF price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100 \text{ and}$$

"I, the undersigned, hereby certify that— (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), and is control by nationals of _____ (name of the eligible source countries concerned)".

II(vii) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :—

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100 \text{ and}$$

Section III. Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III. (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract.

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECE) dated the 18th December, 1986 concerning the Yen credit No. ID-P 39 (Project Aid) for Telecommunications Project (ix).
- (b) Payments to the supplier shall be made through on irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo under the Loan Agreement No. ID-P 39 dated 18th December, 1986 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The Overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II(vi).

III (ii) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods and to notify the Embassy of India at least a week in advance of the shipping required so that shipping arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importer requires, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable notice to the importer at each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV. Review of contract by OECF.

IV (i) Within the stipulated period for payment of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract copy signed by both the Department of Telecommunications and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import license and two copies of the "Request for issue of LA" in the form in Annexure-II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments requiring essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Dept. of EA), will send Notice of conclusion of Contract along with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of conclusion of contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA and A along with one copy each of port licence.

"Request for issue of LA" and photo copy of im-

Section V. Payment to the overseas suppliers - Letter of Credit procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and the contract documents from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs the CAA and A will issue a letter of authorisation to pay as in the form attached as Annexure III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure IV (for physical imports) or Annexure-V (for services) in favour of the Overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, Embassy of India, Tokyo the Economic Affairs, Ministry of Finance.

V. (ii) On receipt of the Letter of authorisation the Bank of India Tokyo will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure IV (applicable to physical imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo the importer, Bank of India and the CAA and A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA and A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of the goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan funds by OECF. The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V. (iv) All charges on account of opening, maintenance and on the operation of the letter of Credit will be to the account of the importer/overseas suppliers and hence not reimbursable from OECF.

For the time lag between the dates of payment of the FOB cost of the material by the BOI Tokyo to the suppliers and the date of reimbursement by the OECF to the BOI, Tokyo the BOI, Tokyo will charge interest as per the terms and conditions of the Agreement entered into by them with the Government of India (Ministry of Finance) on 25-3-80 and get the same reimbursed by the Embassy of India, Tokyo. The expenditure on account of this interest-payment by the Embassy of India in Japan will be recovered from the P&T Department [vide Section VI(iv) infra.]

V(v) Reimbursement Procedure

*Procedure for disbursement of the purchase of goods and services from Indian suppliers shall be in accordance with reimbursement procedure of the loan agreement.

Section VI. Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of Department of Tele-Communications as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the Bankers will in turn ensure that the Department of Telecommunications make the rupee deposits at RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. The rupee equivalent of the

Yen payments made to the overseas supplier are to be deposited into Government of India Account in the manner prescribed in Public Notice No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-1974. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of Exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-ITC (PN)/74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI and E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI and E so that further import license is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K—Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 11,884 billion Yen credit No. ID-P 32 for Telecommunications Project (IX). The Provisions regarding calculation and deposit of interest charges mentioned in the above said Public Notice of 31-5-1974 will however, not be applicable as no interest charges are recoverable in respect of imports made by Central Government departments.

VI(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN)/69 dated 30-8-68 No. 233-ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN)/75 dated 12-10-1976.

VI(iii) The concerned Bank of Imports in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is also by Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971 is

invariably indicated in the columns 'full particulars of remittance and authority (if any)' of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans:—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and Dt.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA & A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA & A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite 'S' Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

The rupee equivalents of Yen payments on account of increase charges etc., made by Embassy of India, Tokyo, to BOI Tokyo will also be calculated in the manner laid down in para VI(i) of Section VI above and deposited in favour of the principal Accounts Officer, Ministry of External Affairs, New Delhi for which purpose, CAA & A will be issuing suitable advices.

Section VII Miscellaneous Provisions

VII. (i) Reports on the utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII(ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure—II under "Terms of payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen credit Agreement (Project Aid) No. ID-P 39 with Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of Letter of Credit (Applicable to Physical Imports).

Annexure—V Form Letter of Credit (applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(aI.) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique

Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep(2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seyohelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Tero, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Cent.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadelope
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago,

West Indies (Br.)n, i.e.

- (a) Associated States (1)
- (b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile

1. Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of
2. Including the following Islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gaough.
3. Main islands, Aruna, Bonaire; Curacao, Saba, St. Eustacit St. Martin (Southern part).

Colombia
Falkland Islands
French
Guiana

Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, Peoples D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldivis
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khsster Republic
Korea, Republic of Laos
Macao
Malaysia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep of
Viet-Nam Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cock Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendonia
New Hebrides (Dr. and Pr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna.
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta

Spain
Turkey
Yugoslavia

1. Main islands; Antique, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevia-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main islands, Montserrat, Cayman, Turks and Calcos and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umma al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society of Islands (Including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

(a2) Member or Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qater
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

ANNEXURE—II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi 110001.

Sub : Import of _____ from Japan under the
Yen Credit No. ID-P (Project Aid for
(1985-86).

Sir,

In connection with the import offrom
.....under the above mentioned Yen Credit No. ID-
P (Project Aid) we furnish the following particulars
to enable you to issue the letter of Authority to the
.....(name of the Bank) which should be the
same as given in (b) below for opening a letter of
credit in favour of the overseas supplier concerned.

(a) Name and Address of the Indian importer

- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase of formal open International tendering in which case it, should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Cross FOB/C&F Value of the contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier:
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers/or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods

(material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject :—Import under Yen Credit (Project Aid);
Loan Agreement No. ID-P Issue of Letter
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment, if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importer's bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered

from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto.....

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts officer)

Copy forwarded to:—

1. Importerwith reference to their letter No.....dated.....

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker

(i) This has reference to import licence No. dt.

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) . They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN) 76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time

to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC (PN) 68 dated 30-8-68, 233-ITC (PN) 69 dated 24-10-1968, 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances — 843 — Civil Deposits — Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements" — Loans from the Government of Japan 4.884 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P.34 for 1986-87.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A. D. Circular No. 22 dt. 13-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Direct, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Othomachi, 1-Chome, Chiyoda-ku Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE — IV
FORM OECF — I.C 1

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

Date :

To,

This letter of Credit has
been issued pursuant to
Loan Agreement No.

Dated.

between (Borrower) and
the OVERSEAS ECO-
NOMIC COOPERA-
TION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of more for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of. (Say Yen.) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from To. Partial shipments are permitted. Transshipment is. permitted. Bills of lading must be dated not later than. Drafts must be presented for negotiation not later than. All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No.

dated. and Import Reference No. (s) (if any).

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on the presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to-----

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully

(a commercial bank)

By : Authorized Signature

ANNEXURE — V
Form OECF — I.C II

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

Date :

To

(Name and address of
the Supplier)

This Letter of Credit has been
issued pursuant to Loan
Agreement No.

Dated.

between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONO-
MIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. ----- in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (Say Yen.) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____"

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating Bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount : Yen _____

being _____ % of the total contract price

Required documents : Beneficiary's Statement

Latest presentation date : _____

II. Progress Payment

Aggregate amount Yen _____

being _____ % of the total contract price to be paid as follows:—

Amount due _____ Latest presentation _____

1st Instalment : Yen _____

2nd Instalment : Yen _____

Required documents : A copy of State of Performance issued by (borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date : _____

Ref. No. _____

To _____

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____ dated _____ issued by _____ for Yen _____ in favour of _____ concerning _____ Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of _____ (Yen _____ only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)

By _____
(Authorised Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : Yen _____
being % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate payment (if any)

Amount : Yen _____
being % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen _____
being % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.